6.3.3

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
NAAC प्रशिक्षण कार्यशाला
दिनांक : 13.05.2023
मुख्य अतिथि
अध्यक्ष
मुख्य वक्ता
प्रो० एस.सी.शर्मा (निदेशक)
NAAC मूल्यांकन
प्रो० हरेराम त्रिपाठी (कुलपति)
सं.सं.वि.वि.,वाराणसी
डॉ० निलेश पाण्डेय (पारामर्शक)
NAAC मूल्यांकन
सह-संयोजक
डॉ. राजा पाठक
सह समन्वयक
IQAC
स्थान
बौद्ध कक्ष सं.सं.वि.वि.,
वाराणसी
संयोजक
प्रो० हरिप्रसाद अधिकारी
समन्वयक, IQAC

6.3.3

18 मार्च, 2023। पाणिनि भवनम्। त्रिदिवसीया राष्ट्रीयकार्यशाला सम्पूर्ति सत्रम्

6.3.3

17 मार्च, 2023। पाणिनि भवनम्। त्रिदिवसीया राष्ट्रीयकार्यशाला

6.3.3

16 मार्च, 2023। पाणिनि भवनम्। त्रिदिवसीया राष्ट्रीयकार्यशाला

6.3.3

16 मार्च, 2023। पाणिनि भवनम्। त्रिदिवसीया राष्ट्रीयकार्यशाला

<u>नई शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त संस्कृत महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों को लर्निंग मोड़ का प्रशिक्षण दिये जाने हेतु दिनांक 16.10.2020 को 01 दिवसीय परिचर्चा -</u>

1. आन लाईन शिक्षण प्लेटफार्म और उपकरण का उपयोग आँनलाइन शिक्षण से किसी भी शिक्षक के काम का एक मानव हिस्सा बनता जा रहा है। जबकि आनलाइन शिक्षण की लोकप्रियता वर्षों से बढ़ रही है महामारी कोविड ने सीखने के अवसरों की इस शैली में रूचि बढ़ा दी है। लेंकिन सभी ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्म समान नही बनाये गए है। और जब शिक्षकों की अपनी आवश्यकताओं के लिए सर्वोत्तम समाधान समाधान चुनने की बात आती है तो हम आनलाइन प्रशिक्षण की बाता करते है।
   दिनांक 05.12.2020 संयोजक प्रेमनारायण सिंह
2. दिनांक 13 मई 2023 को आज ँण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में ँण के साथ सभी क्राइटेरियों के सभी बिंदुओं पर चर्चा किया गया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों शोधछात्रों सहित संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति नहोदय भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा, श्री निलेश पांडे उपस्थित रहे। कार्यशाला में 231 छात्रों एवं अध्यापकों ने हिस्सा लिया कार्यशाला का आरंभ मंगलाचरण कर किया गया। प्रस्तावना प्रोफ़ेसर हरिप्रसाद अधिकारी जीने की तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर अमित कुमार शुक्ल ने किया।

महत्व बताया, सवालों के दिए जवाब

नैक ग्रेडिंग

वाराणसी, वरिष्ठ संवाददाता। नैक बेंगलुरू के निदेशक प्रो. एससी शर्मा शनिवार को संपूर्णानंद संस्कृत विवि पहुंचे। यहां कार्यशाला में उन्होंने शिक्षकों से नैक मूल्यांकन प्रक्रिया पर चर्चा की। विश्वविद्यालय को और बेहतर ग्रेड लाने में मदद का आश्वासन दिया। बौद्ध कक्ष सभागार में कार्यशाला में उन्होंने सरस्वती भवन पुस्तकालय की प्रशंसा करते कहा कि ऐसा पुस्तकालय विश्व मे दुर्लभ है।

नैक के मुख्य परामर्श विशेषज्ञ सलाहकार डॉ. निलेश पांडेय ने नैक के महत्व तथा एसएसआर एवं एसएसआर भरने के बारे में बताया।

संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में शनिवार को कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने नैक के निदेशक प्रो. एससी शर्मा का स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया ।

एवं उसके समीक्षात्मक पहलू पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्षों, संकायाध्यक्षों, आईक्यूएसी के सदस्यों की जिज्ञासाओं पर विशेषज्ञों ने जवाब भी दिया। वीसी प्रो हरेराम त्रिपाठी ने

इसके बाद प्रो एससी शर्मा काशी विद्यापीठ भी गए। कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने संगोष्ठी की अध्यक्षता की। संचालन प्रो रश्मि सिंह व धन्यवाद ज्ञापन प्रो बृजेश सिंह ने किया। इस

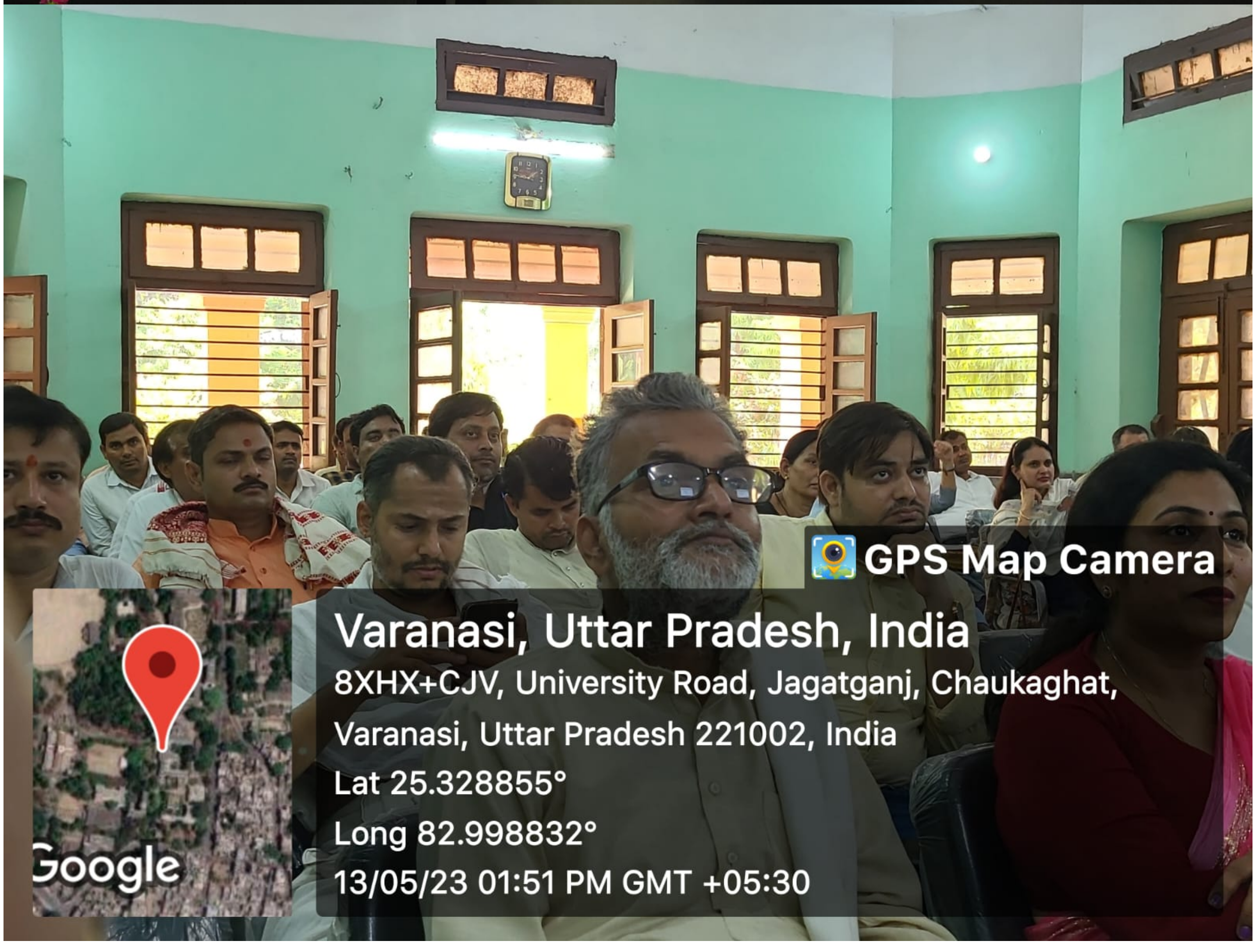

3. उच्च शिक्षा की गुणवत्ता (दिनांक 12/11/2023)

उच्च शिक्षा की महत्ता उसके भौतिक एवं वित्तीय संसाधन तथा बाजारवाद से तय नहीं होती, बल्कि उसमें दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता, नूतनता और शोध की प्रखरता ये

होती है। यह बात सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय में आयोजित उच्चशिक्षा की की गुणवत्ता में प्रो0 शैलेश कुमार मिश्र जी द्वारा कहा गया है।

4. उच्च शिक्षा में ऑन-लाइन पाठ्यक्रम सामग्री का सृजन (दिनांक 21/11/2020)
   संयोजक डॉ. राजा पाठक
   भारत के अन्दर आनलाइन शिक्षण का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। कोविड 19 के बाद ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग बहुत ज्यादा बढ़ चुका है । इसलिए आज मैं आपको भारत में सबसे ज्यादा जो शिक्षा की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है। उसके बारे में सब साइटों से हम शिक्षण की सामग्री का उपयोग करते हैं जैसे बाईजूस, अन-अकैडमी, वेदांतु, वाइटहेट जूनियर के द्वारा शिक्षण सृजन का कार्य सम्भव हुआ है।

द्वितीय सत्र (दिनांक 21/11/2020)

संयोजक डॉ. मधुसूदन मिश्र

उच्च शिक्षा में 'आन-लाइन पाठ्यक्रम सामग्री का सृजन' के महत्व पर डॉ0 मघुसमदन मिश्र जी ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली सुधार और पुनः संयोजन के महत्तवपूर्ण दौर से गुजर रही है। ऑनलाइन लर्निंग को अधिक समावेशी, सुगम और किफायती शिक्षा मॉडल की दिशा में महत्वपूर्ण मार्ग में देखा जा रहा है।